पाठ - ल्हासा की ओर

शब्दार्थ -

1. **डाँड़ा** - ऊँची जमीन
2. **थोंङला** - तिब्बती सीमा का एक स्थान
3. **भरिया** - भारवाहक
4. **भीटे** - टीले के आकार-सा ऊँचा स्थान
5. **चिरी** - फाड़ी हुई
6. **कंडे** - गाय-भैंस के गोबर से बने उपले जो ईंधन के काम में आते हैं।
7. **सत्तू** - भूने हुए अन्न (जौ, चना) का आटा
8. **थुक्पा** - सत्तू या चावल के साथ मूली, ही और माँस के साथ पतली लेई की तरह पकाया गया खाद्य-पदार्थ
9. **गंडा** - मंत्र पढ़कर गाँठ लगाया हुआ धागा या कपड़ा
10. **सुमति** - (सु+मति अच्छी बुद्धि वाला)। लेखक को यात्रा के दौरान मिला मंगोल भिक्षु जिसका नाम लोब्जङ् शेख था। इसका अर्थ है सुमति प्रज्ञ। अतः सुविधा के लिए लेखक ने उसे सुमति नाम से पुकारा है।
11. **दोनों चिटें** - जेनम् गाँव लिए जोङ्पोन् (मजिस्ट्रेट) के हाथ की लिखी लमयिक् (राहदारी) के पास पुल से नदी पार करने के लिए जो
12. **दोन्क्विक्स्तो** - स्पेनिश उपन्यासकार सार्वेंतेज (17वीं शताब्दी) के उपन्यास 'डॉन क्विक्ज़ोट' का नायक जो घोड़े पर चलता था।

प्रश्न-अभ्यास

प्रश्न - थोंङला के पहले के आखिरी गाँव पहुँचने पर भिखमंगे के वेश में होने के बावजूद लेखक को ठहरने के लिए उचित स्थान मिला जबकि दूसरी यात्रा के समय भद्र वेश भी उन्हें उचित स्थान नहीं दिला सका। क्यों?

उत्तर - थोंङला के पहले के आखिरी गाँव पहुंचने पर भिखमंगों के वेश में होने के कारण उचित स्थान इसलिए मिल गया क्योंकि उसके साथ भिक्षु सुमति था। उसकी वहाँ अच्छी जान-पहचान थी। संभव है श्रद्धा भाव के कारण ने उनके ठहरने का उचित प्रबंध कर दिया। दूसरा वह शाम के समय पहुंचे थे इस समय लोग छङ पीकर अपना होश-हवास खो बैठते हैं उन्हें अच्छे बुरे का कोई ज्ञान नहीं होता। लेकिन लेखक जब पांच वर्ष बाद भद्र यात्री वेश में घोड़े पर सवार होकर उस रास्ते पर गया तो वहाँ के लोगों ने किसी अनिष्ठ के डर से ठहरने के लिए स्थान नहीं दिया।

प्रश्न - उस समय के तिब्बत में हथियार का कानून न रहने के कारण यात्रियों को किस प्रकार का भय बना रहता था?

उत्तर - उस समय तिब्बत में हथियार का कोई कानून नहीं था। वहाँ लोग लाठी की जगह पिस्तौल, बंदूक लेकर घूमते थे। डकैत यात्रियों को मारकर उनका सामान लूट लेते थे। इसलिए यात्रियों को अपने जानमाल का डर लगा रहता था।

egyanarchive

प्रश्न - डकैत राह पर चलते लोगों को पहले मारते थे, फिर उनकी तलाशी लेते थे। लेखक लङ्ङ्कोर के मार्ग में अपने साथियों से किस कारण पिछड़ गया?

उत्तर - लङ्ङ्कोर के मार्ग में लेखक दो कारणों से अपने साथियों से पीछे रह गया था। एक तो उसका घोड़ा बहुत धीरे-धीर चल रहा था, उसने समझा कि वह थक गया है इसलिए उसने मारना उचित नहीं समझा, इसलिए वह अपने साथियों से पीछे रह गया।

दूसरा, एक स्थान पर दो रास्ते फूट रहे थे। लेखक एक-दो मील गलत रास्ते पर चला गया वहाँ जाकर पूछने पर पता चला कि उसे तो दूसरे रास्ते पर जाना था। इसलिए वापिस आने पर लेखक ने दूसरा रास्ता अपनाया और वह बहुत देर बार जाकर अपने साथियों से मिला।

प्रश्न - लेखक ने शेकर विहार में सुमति को उनके यजमानों के पास जाने से रोका, परंतु दूसरी बार रोकने का प्रयास क्यों नहीं किया?

उत्तर - लेखक ने शेकर विहार में सुमति को उनके यजमानों के पास जाने से इसलिए रोका क्योंकि वह वहाँ अकेला रह जाता. परंतु दूसरी बार रोकने का प्रयास इसलिए नहीं किया क्योंकि जिस मंदिर में वह बैठा था, वहाँ बुद्ध वचन अनुवाद की हस्तलिखित 103 पोथियाँ थीं, इनमें से प्रत्येक पोथी का वजन 15 सेर से कम नहीं था। वह इन पोथियों का अध्ययन करने लग गया ताकि वह इन पोथियों के विषय को जान सके।

प्रश्न - अपनी यात्रा के दौरान लेखक को किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा?

उत्तर - अपनी यात्रा के दौरान लेखक को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उस समय भारतीय तिब्बत नहीं जा सकते थे, इसलिए लेखक को भिखारी बनकर वहां जाना पड़ा। उसे दुर्गम मार्ग की कठिन चढ़ाई चढ़नी पड़ी। डाकुओं तथा लुटेरों से बचने के लिए भिखमगों के समान टोपी निकालकर, जीभ निकालकर भीख माँगनी पड़ी। सुस्त घोड़े के कारण लेखक अपने साथियों से बिछड़ गया और गलत रास्ते पर चला गया। भारवाहक न मिलने के कारण उसे अपना सामान पीठ पर लादकर पहाड़ी रास्ते पर चलना पड़ा। मार्ग में खाने-पीने के लिए जो भी मिला, उसे खाना पड़ा।

प्रश्न - प्रस्तुत यात्रा-वृत्तांत के आधार पर बताइए कि उस समय का तिब्बती समाज कैसा था?

उत्तर - उस समय का तिब्बती समाज अंधविश्वासों का शिकार था। बौद्ध सन्यासी अपने यजमानों को गंड-तावीज देते थे और उनसे पैसे लेते थे। समाज में कानून व्यवस्था ना के बराबर थी। लोग खुले आम बदूंक-पिस्तौल लेकर घूमते थे। डकैत यात्रियों को मारकर उनका सब कुछ लूट लेते थे। इसलिए रास्ते में यात्रियों को चोर-लुटेरों का डर लगा रहता था। गवाहों की कमी के कारण पुलिस कुछ भी नहीं कर पाती थी। इसके विपरीत तिब्बती समाज में एक अच्छी बात भी थी। वहाँ जाति-पाति, छुआछूत का भेदभाव नहीं था। स्त्रियाँ पर्दे में नहीं रहती थीं। अपरिचित भी लोगों के घरों में जा सकते थे।

egyanarchive

यात्रियों को रहने तथा खाने-पीने के सुविधा मिल जाती थी। सांय के समय लोग छङ् नामक मादक पेय पीकर अपने होश-हवास खो बैठते थे। यजमान बौद्ध सन्यासियों का आदर-सम्मान करते थे।

प्रश्न - 'मैं अब पुस्तकों के भीतर था।' नीचे दिए गए विकल्पों में से कौन सा इस वाक्य का अर्थ बतलाता है-

(क) लेखक पुस्तकें पढ़ने में रम गया।

(ख) लेखक पुस्तकों की शैल्फ के भीतर चला गया।

(ग) लेखक के चारों ओर पुस्तकें ही थीं।

(घ) पुस्तक में लेखक का परिचय और चित्र छपा था।

उत्तर -

(क) लेखक पुस्तकें पढ़ने में रम गया।

रचना और अभिव्यक्ति

प्रश्न - सुमति के यजमान और अन्य परिचित लोग लगभग हर गाँव में मिले। इस आधार पर आप सुमति के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं का चित्रण कर सकते हैं?

उत्तर - सुमति उस क्षेत्र के लोगों को अच्छी तरह जानता था। एक बौद्ध भिक्षु होने के कारण लोग उसका आदर-मान करते थे। वह अपने यजमानों को बौद्ध गया के वस्त्रों से बने गंडे बनाकर देता था। वह बड़ा ही व्यवहार-कुशल, मृदुभावी, अच्छा सहयोगी और तत्काल नाराज होने वाला तथा तत्काल प्रसन्न होने वाला व्यक्ति था। जब लेखक लङकोर का रास्ता भूलकर देर से पहुंचा तो सुमति लेखक पर क्रोधित हो उठा और क्षण में समझाने पर शांत हो गया। वह पैसे का लालची भी था, जब लेखक ने कहा कि वह उसे आगे चलकर कुछ पैसे देगा तो तब उसने आसपास के गाँवों में अपने यजमानों को गंडे देने का कार्यक्रम स्थगित कर दिया।

egyanarchive

प्रश्न - 'हालाँकि उस वक्त मेरा भेष ऐसा नहीं था कि उन्हें कुछ भी खयाल करना चाहिए था।' उक्त कथन के अनुसार हमारे आचार-व्यवहार के तरीके वेशभूषा के आधार पर तय होते हैं। आपकी समझ से यह उचित है अथवा अनुचित, विचार व्यक्त करें।

उत्तर - हमारे विचार से वेशभूषा के आधार पर किसी व्यक्ति के संबंध में कोई धारणा नहीं बनानी चाहिए। सरल और स्वच्छ वेशभूषा वाला व्यक्ति भी अच्छा व संस्कारी हो सकता है नहीं भी। अधिक कीमती तथा आडम्बर पूर्ण वेशभूषा धारण किए हुआ व्यक्ति संस्कारी व श्रेष्ठ हो, यह धारणा भी गलत है। ऐसा व्यक्ति अच्छा भी हो सकता बुरा भी। लाल बहादुर शास्त्री भी सीधा-सादा जीवन व्यतीत करते थे और इसी प्रकार ए. पी. जे. अब्दुल कलाम साधारण जीवन जीते थे, लेकिन वे सच्चे भारतीय व प्रधानमंत्री बने।

प्रश्न - यात्रा-वृत्तांत के आधार पर तिब्बत की भौगोलिक स्थिति का शब्द-चित्र प्रस्तुत करें। वहाँ की स्थिति आपके राज्य/शहर से किस प्रकार भिन्न है?

उत्तर - तिब्बत का मार्ग बड़ा की कठिन व दुर्गम है। 16-17 हजार फीट की ऊँचाई पर स्थित डांड़ा थोङला पार करना आसान नहीं है। यहाँ पर हिमालय की चोटियाँ बर्फ से ढकी हुई रहती हैं। आसपास हरियाली से ढके नगें पहाड़ है। दूर-दूर तक कोई गांव नजर नहीं आता। यहाँ पर लोग पैदल यात्रा करते हैं या घोड़ों पर सवार होकर आगे बढ़ते हैं। फलतः यहाँ की भौगोलिक स्थिति समतल भू-भाग के नगरों से सर्वथा भिन्न है। यहाँ जिंदा रहना बड़ा कठिन है।

प्रश्न - आपने भी किसी स्थान की यात्रा अवश्य की होगी? यात्रा के दौरान हुए अनुभवों को लिखकर प्रस्तुत करें।
उत्तर - गर्मियों की छुट्टियों में, मैं अपने परिवार के साथ उत्तराखंड गया था। हमने देहरादून, ऋषिकेश और मसूरी घूमने का आनंद लिया। ऋषिकेश में, हमने गंगा नदी में राफ्टिंग की। यह बहुत रोमांचक था! मसूरी में, हमने हिमालय के खूबसूरत नज़ारे देखे। हमने घूमने और नौका विहार करने में भी बहुत मज़ा किया।

प्रश्न - यात्रा-वृत्तांत गद्य साहित्य की एक विधा है। आपकी इस पाठ्यपुस्तक में कौन-कौन सी विधाएँ हैं? प्रस्तुत विधा उनसे किन मायनों में अलग है?
उत्तर - पाठ्यपुस्तक में गद्य साहित्य की अनेक विधाएँ सम्मिलित हो सकती हैं, जिनमें से कुछ प्रमुख हैं:
1. **कहानी:** यह कल्पना पर आधारित लघु गद्य रचना है जिसमें चरित्र, कथानक, संघर्ष और समाधान जैसे तत्व होते हैं।
2. **उपन्यास:** यह कहानी का विस्तृत रूप है जिसमें अनेक पात्र, घटनाएं और उप-कथानक होते हैं।
3. **नाटक:** यह रंगमंच के लिए लिखा गया साहित्य है जिसमें संवाद, चरित्र और मंच निर्देश होते हैं।
4. **निबंध:** यह किसी विशेष विषय पर लेखक के विचारों और भावनाओं को व्यक्त करने वाला गद्य लेख है।
5. **आत्मकथा:** यह लेखक के जीवन और अनुभवों का वर्णन करने वाला गद्य लेख है।
6. **जीवनी:** यह किसी प्रसिद्ध व्यक्ति के जीवन और कार्यों का वर्णन करने वाला गद्य लेख है।
7. **यात्रा-वृत्तांत:** यह लेखक द्वारा की गई किसी यात्रा का वर्णन करने वाला गद्य लेख है।

यात्रा-वृत्तांत और अन्य विधाओं के बीच अंतर:

- **कल्पना:** यात्रा-वृत्तांत वास्तविक घटनाओं और अनुभवों पर आधारित होता है, जबकि कहानी, उपन्यास और नाटक कल्पना पर आधारित होते हैं।
- **संरचना:** यात्रा-वृत्तांत में आमतौर पर एक क्रमिक संरचना होती है, जिसमें लेखक यात्रा के क्रम का अनुसरण करता है। कहानियों, उपन्यासों और नाटकों में संरचना भिन्न हो सकती है, जिसमें फ्लैशबैक, फॉरवर्ड और समानांतर कथानक शामिल हो सकते हैं।
- **उद्देश्य:** यात्रा-वृत्तांत का उद्देश्य पाठक को यात्रा के अनुभवों से अवगत कराना और उस स्थान या संस्कृति के बारे में जानकारी प्रदान करना होता है। कहानियों, उपन्यासों और नाटकों का उद्देश्य मनोरंजन करना, शिक्षित करना, या प्रेरित करना हो सकता है।
- **शैली:** यात्रा-वृत्तांत में आमतौर पर वर्णनात्मक और जानकारीपूर्ण शैली होती है। कहानियों, उपन्यासों और नाटकों में शैली विविध हो सकती है, जिसमें संवाद, आंतरिक विचार और विवरण शामिल हो सकते हैं।

egyanarchive

भाषा-अध्ययन

प्रश्न - किसी भी बात को अनेक प्रकार से कहा जा सकता है, जैसे-

सुबह होने से पहले हम गाँव में थे।

पौ फटने वाली थी कि हम गाँव में थे।

तारों की छाँव रहते-रहते हम गाँव पहुँच गए।

नीचे दिए गए वाक्य को अलग-अलग तरीके से लिखिए-

'जान नहीं पड़ता था कि घोड़ा आगे जा रहा है या पीछे।'

उत्तर - (i) यह पता ही नहीं चल रहा था कि घोड़ा आगे बढ़ रहा है या पीछे हट रहा है।

(ii) समझ में नहीं आ रहा था कि घोड़ा आगे जा रहा है या पीछे।

(iii) घोड़े के आगे जाने या पीछे हटने का पता ही नहीं चल पा रहा था।

प्रश्न - ऐसे शब्द जो किसी 'अंचल' यानी क्षेत्र विशेष में प्रयुक्त होते हैं उन्हें आंचलिक शब्द कहा जाता है। प्रस्तुत पाठ में से आंचलिक शब्द ढूँढ़कर लिखिए।

उत्तर -

1. चोड़ी
2. छड्
3. कंडे
4. खोटी
5. कुची-कुची
6. भरिया
7. डाँड़े
8. कन्जुर
9. युक्या
10. सत्तू

egyanarchive

प्रश्न - पाठ में कागज़, अक्षर, मैदान के आगे क्रमशः मोटे, अच्छे और विशाल शब्दों का प्रयोग हुआ है। इन शब्दों से उनकी विशेषता उभर कर आती है। पाठ में से कुछ ऐसे ही और शब्द छाँटिए जो किसी की विशेषता बता रहे हों।

उत्तर -

विशेषण	**शब्द**	**विशेषण**	**शब्द**
ऊँची	चढ़ाई	कड़ी	धूप
तेज	धूप	बड़े	भद्र
धीमे	चलने	जल्दी	गुस्सा

लेकिन इसके मुकाबले में मेरे नगर दिल्ली की भौगोलिक स्थिति तिब्बत से सर्वधा भिन्न है। यहाँ पर बहुमंजिला इमारतें हैं तथा साफ सुथरी बड़ी-बड़ी सड़कें हैं जिस पर कारें, बसें, स्कूटर निरंतर चलते रहते हैं। यहां के निवासियों को मेट्रों रेल, हवाईजहाज तथा रेलगाड़ियों की सुविधाएँ प्राप्त हैं। यहां सर्दी की ऋतु में थोड़ी बहुत सर्दी पड़ती है और गर्मियों में भंयकर

गर्मी पड़ती है। यहां पर यमुना नदी है। जिसका पानी पूर्णतया प्रदूषित हो चुका है। जनसंख्या वृधि के कारण यहाँ बिजली, पानी और यातायात की समस्या हमेशा बनीरहती है। जबकि तिब्बत में रहने वाले लोगों का जीवन बड़ा ही सरल है। दिल्ली में प्रत्येक बीमारी के लिए सरकारी तथा गैर-सरकारी अस्पताल हैं जहाँ दूर-दूर से मरीज इलाज करवाने आते है। लेकिन तिब्बत में इस प्रकार की कोई सुविधा नहीं है।

पाठेतर सक्रियता

प्रश्न - यह यात्रा राहुल जी ने 1930 में की थी। आज के समय यदि तिब्बत की यात्रा की जाए तो राहुल जी की यात्रा से कैसे भिन्न होगी?

उत्तर -

1. राहुल जी ने पैदल या घोड़े की पीठ पर यात्रा की थी। आज, लोग आमतौर पर कार, बस या हवाई जहाज से तिब्बत की यात्रा करते हैं।
2. राहुल जी ने तिब्बती मठों और गांवों में स्थानीय लोगों के साथ समय बिताया था। आज, अधिकांश पर्यटक तिब्बत के मुख्य पर्यटन स्थलों पर ही जाते हैं।
3. राहुल जी ने तिब्बत की संस्कृति और इतिहास का गहन अनुभव किया था। आज, अधिकांश पर्यटक तिब्बत के बारे में सतही समझ ही प्राप्त कर पाते हैं।

प्रश्न - क्या आपके किसी परिचित को घुमक्कड़ी यायावरी का शौक है? उसके इस शौक का उसकी पढ़ाई/काम आदि पर क्या प्रभाव पड़ता होगा, लिखें।

उत्तर - मेरे दोस्त राहुल को घुमक्कड़ी यायावरी का बहुत शौक है। वह हर साल कई महीने यात्रा करते हैं, नए स्थानों का पता लगाते हैं और विभिन्न संस्कृतियों का अनुभव करते हैं। राहुल का मानना है कि घुमक्कड़ी यायावरी ने उसे एक अधिक खुला विचारों वाला और बहुमुखी व्यक्ति बना दिया है। उसने कई नए कौशल सीखे हैं, जैसे कि विभिन्न भाषाएं बोलना और विभिन्न प्रकार के भोजन बनाना। उसने नए दोस्त भी बनाए हैं और विभिन्न संस्कृतियों के बारे में बहुत कुछ सीखा है। हालांकि, राहुल की घुमक्कड़ी यायावरी ने उसकी पढ़ाई और काम पर भी कुछ प्रभाव डाला है।

प्रश्न - अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

आम दिनों में समुद्र किनारे के इलाके बेहद खूबसूरत लगते हैं। समुद्र लाखों लोगों को भोजन देता है और लाखों उससे जुड़े दूसरे कारोबारों में लगे हैं। दिसंबर 2004 को सुनामी या समुद्री भूकंप से उठने वाली तूफानी लहरों के प्रकोप ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि कुदरत की यह देन सबसे बड़े विनाश का कारण भी बन सकती है। प्रकृति कब अपने ही ताने-बाने को उलट कर रख देगी, कहना मुश्किल है। हम उसके बदलते मिज़ाज को उसका कोप कह लें या कुछ और मगर यह अबूझ पहेली अकसर हमारे विश्वास के चीथड़े कर देती है और हमें यह अहसास करा जाती है कि हम एक कदम आगे नहीं चार कदम पीछे हैं। एशिया के एक बड़े हिस्से में आने वाले उस भूकंप ने कई द्वीपों को इधर-उधर खिसकाकर

egyanarchive

एशिया का नक्शा ही बदल डाला। प्रकृति ने पहले भी अपनी ही दी हुई कई अद्भुत चीजें इंसान से वापस ले ली हैं जिसकी कसक अभी तक है। दुख जीवन को माँजता है, उसे आगे बढ़ने का हुनर सिखाता है। वह हमारे जीवन में ग्रहण लाता है. ताकि हम पूरे प्रकाश की अहमियत जान सकें और रोशनी को बचाए रखने के लिए जतन करें। इस जतन से सभ्यता और संस्कृति का निर्माण होता है। सुनामी के कारण दक्षिण भारत और विश्व के अन्य देशों में जो पीड़ा हम देख रहे हैं उसे निराशा के चश्मे से न देखें। ऐसे समय में भी मेघना, अरुण और मैगी जैसे बच्चे हमारे जीवन में जोश, उत्साह और शक्ति भर देते हैं। 13 वर्षीय मेघना और अरुण दो दिन अकेले खारे समुद्र में तैरते हुए जीव-जंतुओं से मुकाबला करते हुए किनारे आ लगे। इंडोनेशिया की रिजा पड़ोसी के दो बच्चों को पीठ पर लादकर पानी के बीच तैर रही थी कि एक विशालकाय साँप ने उसे किनारे का रास्ता दिखाया। मछुआरे की बेटी मैगी ने रविवार को समुद्र का भयंकर शोर सुना, उसकी शरारत को समझा, तुरंत अपना बेड़ा उठाया और अपने परिजनों को उस पर बिठा उत्तर आई समुद्र में, 41 लोगों को लेकर। महज 18 साल की यह जलपरी चल पड़ी, पगलाए सागर से दो-दो हाथ करने। दस मीटर से ज्यादा ऊँची सुनामी लहरें जो कोई बाधा, रुकावट मानने को तैयार नहीं थीं इस लड़की के बुलंद इरादों के सामने बौनी ही साबित हुई। जिस प्रकृति ने हमारे सामने भारी तबाही मचाई है उसी ने हमें ऐसी ताकत और सूझ दे रखी है कि हम फिर से खड़े होते हैं और चुनौतियों से लड़ने का एक रास्ता ढूँढ़ निकालते हैं। इस त्रासदी से पीड़ित लोगों की सहायता के लिए जिस तरह पूरी दुनिया एकजुट हुई है, वह इस बात का सबूत है कि मानवता हार नहीं मानती।

(1) कौन-सी आपदा को सुनामी कहा जाता है?
(2) 'दुख जीवन को माँजता है, उसे आगे बढ़ने का हुनर सिखाता है' आशय स्पष्ट कीजिए।
(3) मैगी, मेघना और अरुण ने सुनामी जैसी आपदा का सामना किस प्रकार किया?
(4) प्रस्तुत गद्यांश में 'दृढ़ निश्चय' और 'महत्व' के लिए किन शब्दों का प्रयोग हुआ है?
(5) इस गद्यांश के लिए एक शीर्षक 'नाराज़ समुद्र' हो सकता है। आप कोई अन्य शीर्षक दीजिए।

egyanarchive

उत्तर -

1) कौन-सी आपदा को सुनामी कहा जाता है?

उत्तर - सुनामी समुद्री भूकंप से उत्पन्न ऊंची और विनाशकारी लहरों को दर्शाती है। यह भूकंप समुद्रतल के नीचे विस्फोट का कारण बनता है, जिससे पानी की विशाल मात्रा ऊपर उठती है और तूफानी लहरों में बदल जाती है, जो तटों पर टकराकर भारी तबाही मचा सकती हैं।

2) 'दुख जीवन को माँजता है, उसे आगे बढ़ने का हुनर सिखाता है' आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - यह वाक्य बताता है कि मुश्किलें और दुखद अनुभव जीवन को कठोर बनाते हैं और हमें उनसे सीखने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। दुख हमें मजबूत बनाते हैं और हमें जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए आवश्यक दृढ़ता और लचीलापन प्रदान करते हैं।

3) मैगी, मेघना और अरुण ने सुनामी जैसी आपदा का सामना किस प्रकार किया?

उत्तर -

- **मैगी:** 18 वर्षीय मैगी, एक मछुआरे की बेटी, ने अपनी बुद्धिमत्ता और साहस का उपयोग करके 41 लोगों को बचाया। उसने तुरंत अपना बेड़ा उठाया और लोगों को सुरक्षित स्थान पर ले गई।
- **मेघना और अरुण:** 13 वर्षीय मेघना और अरुण दो दिन तक अकेले खारे पानी में तैरते रहे और जीवों से मुकाबला करते हुए किनारे पर पहुंच गए।
- **रिजा:** इंडोनेशिया की रिजा ने पड़ोसी के दो बच्चों को पीठ पर लादकर पानी में तैर रही थी। एक विशालकाय सांप ने उसे किनारे का रास्ता दिखाया।

4) प्रस्तुत गद्यांश में 'दृढ़ निश्चय' और 'महत्व' के लिए किन शब्दों का प्रयोग हुआ है?

उत्तर -

- **दृढ़ निश्चय:** 'बुलंद इरादे', 'साहस', 'जोश', 'शक्ति'
- **महत्व:** 'अहमियत', 'मूल्य', 'जरूरत'

5) इस गद्यांश के लिए एक शीर्षक 'नाराज़ समुद्र' हो सकता है। आप कोई अन्य शीर्षक दीजिए।

उत्तर -

- **अन्य संभावित शीर्षक:**
  - **विनाशकारी लहरें**
  - **साहस और मानवता की विजय**
  - **आशा की किरणें**
  - **जीवन और मृत्यु के बीच**
  - **प्रकृति का प्रकोप और मानव संघर्ष**

egyanarchive